औद्योगिक श्रमिकों के लिये संध्याकालीन कक्षाओं की योजना

*३४४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **श्रम तथा सेवा-नियोजन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कतिपय औद्योगिक केन्द्रों मे औद्योगिक श्रमिकों की शिक्षा के लिये सन्ध्या-कालीन कक्षायें खोलने के विषय में अभी तक क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) ये सन्ध्याकालीन कक्षायें कहां कहा खोली जायेंगी और उनमें कितने श्रमिकों को शिक्षा दी जायेगी ?

†[SCHEME FOR EVENING CLASSES FOR INDUSTRIAL WORKERS

*344. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the progress so far made in the matter of starting evening classes at certain industrial centres for the education of industrial workers; and

(b) the places where evening classes will be started and the number of industrial workers who will be given education there?]

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) अमृतसर में ५० औद्योगिक कामगरों को शाम की कक्षाओं में प्रशिक्षण की मंजूरी दी जा चुकी है ।

(ख) अन्य राज्यों के प्रशिक्षण कार्य क्रम पर अभी तक फैसला नही हुआ है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF LABOUR (SHRI ABID ALI): (a) Training of 50 industrial workers in evening classes at Amritsar, Punjab, has been sanctioned.

(b) Training programmes in other States have not yet been finalized.]

श्री नवाब सिंह चौहान : किन किन सूबाई हुकूमतों के बारे में इस तरह विचार हो रहा है ? कब तक हम उम्मीद करें कि इस पर आखिरी तौर से विचार करके यह चीज चालू हो जायगी ?

श्री आबिद अली : आसाम के सिवा, सब राज्यों से इसके बारे में पत्र व्यवहार हो रहा है । करीब १०,००० कामगरों को इसम सिखाने का इरादा है । जहां तक कब तक चालू होने का सवाल है, राज्यों की तरफ से जब सूचनाएं आयेंगी उसके बाद अंतिम निर्णय हो सकेगा ।

श्री नवाब सिंह चौहान : पंजाब में जो यह स्कीम चालू की गई है, इसमें कितने स्कूल खोले जा चुके है और किस तरीके से छुट्टी के वक्त ये लोग आ सकते हैं ? क्या उनको काम के वक्त में कुछ रियायत दी जाती है ?

श्री आबिद अली : काम के वक्त के अलावा शाम को दो घंटे वहां सीखने के लिए आते है । जहां सुविधा हो सकती है वहां कारखानों में सिखाया जाता है । अगर वहां सुविधा न हो सकी तो इंडस्ट्रियल सेंटर्स में ।

श्री ए० बी० कुन्हम्बु : कितने इवनिग स्कूल्स हिन्दुस्तान में अभी चलते है और उनमें कितने विद्यार्थी अभी पढ़ते हैं ?

श्री आबिद अली : मैं अभी अर्ज कर चुका हूं, अभी तक सिर्फ ५० सिखाये जा रहे हैं । १०,००० को सिखाने का इरादा है ।

हाथ तथा साइकिल रिक्शा सम्बन्धी नमूने के प्रारूप-विनियमों का स्वीकार किया जाना

*३४५. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **श्रम तथा सेवा-नियोजन** मंत्री अपने मंत्रालय के १९५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ २७ पर पैरा २५ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज्यों को हाथ तथा साइकिल रिक्शाओं को अनुज्ञप्ति देने के सम्बन्ध में

†[ ] English translation.